

तू ही मेरी इबादत है,
है तू ही मेरा धरम,
ऐ वतन मेरे हमदम मेरे,
तू ही मेरा करम,
तू ही मेरा करम,
तु ही मेरी इबादत है,
है तू ही मेरा धरम ॥

तुझको ही पुजू और ध्याऊँ मैं,
तेरे ही गीतों को गाऊँ मैं,
ऐ वतन वतन मेरे,
तू ही है रब खुदा मेरे,
तुझसे अलग न जी सकूँ,
मर जाऊँ मैं सनम,
मर जाऊँ मैं सनम,
तु ही मेरी इबादत है,
है तू ही मेरा धरम ॥

तू मेरी जन्नत है तू मेरी मन्नत है,
तुझसे ही ये मेरा जीवन है,
तुझमे समा जाऊँ तुझपे ही मर जाऊँ,
कहता ये हर पल मेरा मन है,
जान मेरी हाजिर है,
सेवा में ही तेरे वतन,
मर जाये ये सुभाष तेरा,

करते हुए करम,
करते हुए करम,
तू ही मेरी इबादत है,
है तू ही मेरा धरम ॥

तू ही मेरी इबादत है,
है तू ही मेरा धरम,
ऐ वतन मेरे हमदम मेरे,
तू ही मेरा करम,
तू ही मेरा करम,
तू ही मेरी इबादत है,
है तू ही मेरा धरम ॥

गायक एवं प्रेषक
सुभाष जी चौधरी ।
Ph. 8382836288

Source:

<https://www.bharattemples.com/tu-hi-meri-ibadat-hai-hain-tu-hi-mera-dharam/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>